No. 28HA/63-H/1719.—Whereas the Governor of Haryana is satisfied that land specified below is needed by the Government, at public expense, for public purpose, namely, constructing an approach road from Kohli Mahalsara Road, tehsil Mandir Dhab, district Hisar, it is hereby declared that the land described in the specification below is required for the aforesaid purposes.

The declaration is made under the provisions of section 6 of the Land Acquisition Act, 1894, to all whom it may concern and under the provisions of section 7 of the said Act, the Land Acquisition Collector, Haryana, P. W. D., B. & R. Branch, Hissar or District Revenue Officer-cum-Land Acquisition Collector, Hisar, is hereby directed to take orders for the acquisition of the said land.

Plans of the land may be inspected in the office of the Land Acquisition Collector, Haryana, P. W. D., B. & R. Branch, Hisar or District Revenue Officer-cum-Land Acquisition Collector Hisar or Executive Engineer, Provincial Division Hisar.

SPECIFICATION

District	Tehsil	Locality/Village (Hadbast No.)	Area in Acres	Rectangle (Khasra No.)
Hisar	Hisar	Mahalsara Mothsarai, H. B. 40	1.62	51/22 to 25, 52/20 to 24, 25/1, 78/1 to 5, 79/3 to 5, 322 Khasra Nos. 171, 172, 506, 508,
Hisar	Hisar	Kohli, H. B. 35	3.50	192/22, 23/2, 24, 25, 130/21 to 25, 131/21 to 25, 132/21 to 25, 133/21, 134/1, 2, 135/1 to 5, 136/1 to 5, 137/1 to 3, 4/1, 4/2, 5, 135/2 to 5 Khasra Nos. 159, 168, 445, 446
		Total:	5.12	

No. 28HA/63-H/1720.—Whereas the Governor of Haryana is satisfied that land specified below is needed by the Government at public expense, for public purpose, namely, constructing a road from Payal to Chandnoud, tehsil Hisar, district Hisar. it is hereby declared that the land described in the specification below is required for the aforesaid purposes.

This declaration is made under the provisions of section 6 of the Land Acquisition Act, 1894, to all whom it may concern under the provisions of section 7 of the said Act, the Land Acquisition Collector, Haryana, P.W.D., B.&R., Branch, Hisar or District Revenue Officer-cum-Land Acquisition Collector, Hisar is hereby directed to take orders for the acquisition of the said land.

Plans of the land may be inspected in the office of the Land Acquisition Collector, Haryana, P.W.D., B.&R., Branch Hisar or District Revenue Officer-cum-Land Acquisition Collector, Hisar or Executive Engineer, Provisional Division, Hisar.

SPECIFICATION

District	Tehsil	Locality/Village Hadbast No.	Area in Acres	Rectangle/Khasra No.
Hisar	Hisar	Payal, H.B. 12	3.87	54/11, 12, 19 to 21, 55/11 to 20

District	Tehsil	Locality/Village Hadbast No.	Area in Acres	Rectangle/Khasra No.
Hisar		Payal H. B. No. 12,—concld.	3,87—concld.	56/11 to 20, 57/13 to 21, 58/16, 17/1, 17/2, 25 Khasra Nos. 90, 95 to 97, 101, 103, 113, 216, 217, 235 to 254, 237, 338, 345, 346
Hisar	Hisar	Chandnoud	2,30	25/18, 22/1, 23, Khasra Nos. 66, 71, 72, 73, 75, 79, 83, 85, 86, 87, 88, 70
		Total	: 6.17	

(Sd.) . . .,
Superintending Engineer,
Hisar Circle.

श्रम विभाग

आदेश

दिनांक 19 फरवरी, 1986

सं. ओ.वि./रोहतक/21-86/6758.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मै. पारले बिस्कुट प्रा० लि०, बहादुरगढ़, के श्रमिक तथा प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई औद्योगिक विवाद है ;

और चूंकि राज्यपाल हरियाणा, इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित औद्योगिक अधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद को नीचे विनिर्दिष्ट मामले, जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला/मामले हैं, अथवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला है न्यायनिर्णय एवं पंचाट छः मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं :—

क्या जो ठेकेदार के 11 श्रमिक एक साल से अधिक अवधि से ठेकेदार के पास काम कर रहे हैं वे कम्पनी के रोल पर लिये जाने के पात्र बनते हैं ? यदि हां, तो किस विवरण से ?

दिनांक 25 फरवरी, 1986

सं० ओ०वि०/अम्बाला/188-85/7386.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं० के० के० एण्ड कम्पनी, 212, इन्डस्ट्रीयल ऐरिया, पंचकुला के श्रमिक तथा प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई औद्योगिक विवाद है ;

और चूंकि राज्यपाल हरियाणा इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित औद्योगिक अधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे विनिर्दिष्ट मामले जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामले हैं, अथवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामले हैं, न्यायनिर्णय एवं पंचाट छः मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं :—

(1) क्या श्रमिक वर्ष 1983-84 का बोनस 20 प्रतिशत की दर से लेने के हकदार हैं ? यदि हां, तो किस विवरण से ?

(2) क्या श्रमिक पहचान-पत्र, अवकाश-पत्र तथा हाजरी पत्र लेने के हकदार है ? यदि हां तो, किस विवरण से ?